आज का पुरुषार्थ 14 Oct 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"मार्ग में चाहे कितनी भी परीक्षा देनी पढ़े .. चाहे कितना भी सहन करना पढ़े .. चाहे अपने ही पुराने संस्कार सामने आ जाये .. हम **विजयी अवश्य होंगे** "*

हम सभी बच्चों को बाबा बहुत **शक्तिशाली** बनाने आये है। इतनी शक्तिशाली की हम जीवन की हर **समस्या** और **challenge** को पार करते हुए अपने मंजिल पर पहुँच जायें।

देखिए जो भी मनुष्य संसार में **महान** बने है उन्होंने बाधाओं को तो पार किया ही है। विना परीक्षाओं और बाधाओं को पार किये कोई भी महान और शक्तिशाली नहीं बना।

जो व्यक्ति everest चोटी की चढ़ाई की ओर देखता है और सोचता है कि इस पर मुझे चढ़ना है। वो यह भी जानता है की मार्ग में अनेक **परीक्षाएं आनी ही है।** परीक्षाओं का जैसे वो आह्वान करता है।

हम भी **बाबा के बने सत्यमार्ग पे चले।** पवित्रता का मार्ग चुना, **योगयुक्त** होने का संकल्प किया, एक अलग मार्ग, दुनिया से हटकर मार्ग। तो दुनिया वाले विरोध करेंगे ही।

समझ ले बाबा के मार्ग पर चलना माना हम भी **challenges** को आह्वान कर लिया है। हम डरे नहीं। यह सब होगा, दुनियावाले विरोध करेंगे। प्योरीटी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। अपने भी **संस्कार** कभी कभी अढ़े आ जायेंगे।

परन्तु मंजिल हमें मिलनी ही है। हमें नहीं मिलेगी तो और किसे मिलेगी। **हमारे साथ स्वयं भगवान है।** और जो scene हमारे मार्ग पर आते है वे सब समाप्त होने वाले है। हमें आगे बढ़ाने वाले है। कहीं न कहीं हमारा कल्याण करने वाला है।

यह नशा रख ले .. " ***मैं तो विजयी रतन हूँ .. विजय मेरी निश्चित है*** "

... अगर हम ऐसा नशा रखते है कि .. " कल्प कल्प मैंने विजय प्राप्त की है .. अनेकों बार विजय पाई है .. अनगिनत बार "

ऐसा सोचकर देखो तो **विजय प्राप्त करना सहज लगने लगता है।**

इसलिए स्वयं की **आन्तरिक शक्तियों को जागृत करते रहना है।** विजय मेरी ही निश्चित है। और विघ्न समस्याओं को बहुत सिरियसली नहीं लेना है।

हमें यह नहीं भूलना है कि यह कलियुग का **अंतिम समय** आ गया है। और सभी आत्माओं को अपने अपने हिसाब किताब चुक्तु करना है। चाहे वह मेरे अपने ही क्यों न हो?

हम जिनसे बहुत **प्यार करते है** उन्हें भी हिसाब-किताब चुक्तु करने होंगे। तो हम उन्हें अच्छे vibrations दे।

हम अपने योग की **शक्तियों को बहुत बढ़ाये।** ताकि हम अपने तो क्या, दुसरे के भी विकर्म विनाश कर सके। यह होगा उनसे हमारा सच्चा प्रेम।

बाकी हमारे प्रियजन विघ्नों में हिल गये और हम परेशान हो जाये, इससे दोनों को नुकसान होगा। हम थोड़ा-सा **detach रहना सीखें। Detach होकर उन्हें मदद करे।**

यदि हम बहुत एटचमेंट में रहेंगे तो हम उन्हें मदद नहीं कर पायेंगे। यह परेशानियाँ हमें अपनी शक्तियों को भूला देगी।

एक बुद्धिमान व्यक्ति, एक साक्षीभाव में रहने वाला व्यक्ति कभी भी अपने शक्तियों को भूलता नहीं है।

तो आज सारा दिन हम इस सुन्दर स्वमान में रहेंगे →

" मैं विजयी रतन हूँ .. कल्प कल्प के विजयी .. और सर्वशक्तिमान मेरा साथी है "

उनको आह्वान करेंगे और मेहसूस करेंगे ..

" उनके वरदानी हाथ मेरे सिर पर है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org